

करेंट अफेयर्स : समसामयिकी विविध

रिजर्व बैंक द्वारा जारी नवीनतम मौद्रिक दरें

■ बैंक दर - 4.25 प्रतिशत	■ सीआरआर - 4.00 प्रतिशत
■ रेपो दर - 4.00 प्रतिशत	■ एसएलआर - 18.00 प्रतिशत
■ रिवर्स रेपो दर - 3.35 प्रतिशत	■ एमएसएफ - 4.25 प्रतिशत
(1 जनवरी, 2022 की स्थिति)	

नागरिकता संशोधन विधेयक (CAA)

- नागरिकता संशोधन बिल (CAB), 2019 लोकसभा से 9 दिसम्बर, 2019 को तथा राज्यसभा से 11 दिसम्बर, 2019 को पारित किया गया।
- इस बिल द्वारा भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 में संशोधन किया गया। साथ ही दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयक 12 दिसम्बर, 2019 को राष्ट्रपति के अनुमोदन / हस्ताक्षर के बाद कानून बन गया है।
- इस अधिनियम द्वारा पाकिस्तान, आफगानिस्तान और बांग्लादेश के प्रताड़ित कुल छह धार्मिक अल्पसंख्यक हिन्दू, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई तथा पारसी नागरिकों को भारत की नागरिकता प्रदान की जायेगी।
- नागरिकता संशोधन बिल के अंतर्गत 31 दिसम्बर, 2014 तक भारत में प्रवेश करने वाले शरणार्थी नागरिकता प्राप्त करने के लिए स्वीकार्य होंगे।
- अब 11 साल के स्थान पर 5 साल भारत में रहने पर नागरिकता दी जाएगी।
- सबसे पहले नागरिकता अधिनियम 1955 में लाया गया था।
- संविधान के भाग-2 तथा अनुच्छेद 5 से 11 नागरिकता से संबंधित हैं।
- नागरिकता संशोधन बिल 2019 लोकसभा में पास हाने वाला 126वाँ संशोधन बिल है।

■ CAA/CAB - Citizenship Amendment Act/Bill

भारत का नया मानचित्र

- जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के अलग केन्द्रशासित प्रदेश बनने के बाद भारत सरकार ने 2 नवम्बर, 2019 को नया मानचित्र जारी किया, जिसमें 28 राज्यों और 9 केन्द्रशासित प्रदेशों को दर्शाया गया है।
- यह मानचित्र भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा तैयार किया गया है।
- इस नक्शे में POK के हिस्से को भी कश्मीर क्षेत्र में दर्शाया गया है।
- लद्दाख केन्द्रशासित प्रदेश में दो जिले-कारगिल और लेह शामिल हैं। जबकि जम्मू-कश्मीर केन्द्रशासित प्रदेश में 22 जिले शामिल किए गए हैं जिसमें पाक अधिकृत दो जिले मीरपुर तथा मुजफ्फराबाद शामिल हैं।
- एक गजट अधिसूचना में सरकार ने कारगिल के वर्तमान क्षेत्र को छोड़कर लेह जिलों के क्षेत्रों गिलगित, गिलगित बजारत, चिलास जनजातीय क्षेत्र व लेह और लद्दाख को भी संकलित किया है।

- दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के विलय के पश्चात् 26 जनवरी, 2020 से केन्द्रशासित प्रदेशों की संख्या 8 हो गई है।

सुरक्षा परिषद् के नए अस्थायी सदस्य

- 1 जनवरी, 2021 से भारत, आयरलैंड, मैक्सिको, नॉर्वे और केन्या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के पांच नए अस्थायी सदस्य बन गए हैं। इनकी दो वर्ष की सदस्यता 31 दिसम्बर, 2022 तक प्रभावी रहेगी।

भारत के प्रमुख रामसर साइट : 2020-21

- | | |
|----------------------------------|-----------------------------|
| ■ हैदरपुर आर्द्रभूमि | - उत्तर प्रदेश |
| ■ भिंडवास वन्यजीव अभयारण्य | - हरियाणा |
| ■ सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान | - हरियाणा |
| ■ थोल झील वन्यजीव अभयारण्य | - गुजरात |
| ■ वाधवाना आर्द्रभूमि | - गुजरात |
| ■ त्सो कर झील | - लद्दाख |
| ■ सूर सरोवर (कीथम झील) | - आगरा (उत्तर प्रदेश) |
| ■ लोनार झील | - बुलढाणा (महाराष्ट्र) |
| ■ काबरताल झील | - बेगुसराय (बिहार) |
| ■ आसन संरक्षण रिजर्व | - उत्तराखंड |
| ■ नांगल वन्यजीव अभयारण्य | - सतलुज नदी क्षेत्र (पंजाब) |
| ■ नवाबगंज पक्षी अभयारण्य | - उन्नाव (उत्तर प्रदेश) |
| ■ पार्वती अरगा पक्षी अभयारण्य | - गोंडा (उत्तर प्रदेश) |
| ■ समान पक्षी अभयारण्य | - मैनपुरी (उत्तर प्रदेश) |
| ■ समसपुर पक्षी अभयारण्य | - रायबरेली (उत्तर प्रदेश) |
| ■ साण्डी पक्षी अभयारण्य | - हरदोई (उत्तर प्रदेश) |
| ■ सरसई नावर झील | - इटावा (उत्तर प्रदेश) |
| ■ नंदूर मद्येश्वर पक्षी अभयारण्य | - नासिक (महाराष्ट्र) |
| ■ केशवपुरा मियां समुदाय आरक्षित | - गुरदासपुर (पंजाब) |
| ■ ब्यास संरक्षण रिजर्व | - पंजाब |

अन्य परीक्षोपयोगी महत्वपूर्ण तथ्य

- आर्द्रभूमि संरक्षण हेतु प्रथम सम्मेलन - इरान के शहर रामसर (1971)
- रामसर कंवेशन ने काम करना शुरू किया - 21 दिसम्बर, 1975
- भारत रामसर कंवेशन में किस वर्ष शामिल हुआ - 1 फरवरी, 1982
- वर्तमान में भारत में रामसर साइटों की कुल संख्या - 47
- भारत के किस राज्य में सर्वाधिक रामसर साइट है - उत्तर प्रदेश (9)
- विश्व आर्द्रभूमि दिवस कब मनाया जाता है - 2 फरवरी को
- रामसर सूची में शामिल होने वाला प्रथम स्थल - कोबोर्ग प्रायद्वीप (ऑस्ट्रेलिया)
- भारत का सबसे बड़ा आर्द्रभूमि स्थल है - सुंदरवन (पश्चिम बंगाल)
- भारत का सबसे छोटा आर्द्रभूमि स्थल है - रेणुका (हिमाचल प्रदेश)
- भारत का एकमात्र कृत्रिम आर्द्रभूमि स्थल है - हरिके बैराज

मिशन चंद्रयान-2 : महत्वपूर्ण तथ्य

- चंद्रयान-2 (कुल वजन-3.8 टन) 22 जुलाई, 2019 को आंध्र-प्रदेश के श्री हरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) का मुख्यालय-बेंगलुरु, कर्नाटक) द्वारा भारत की सबसे शक्तिशाली 640 टन के बाहुबली रॉकेट GSLV मार्क-3 द्वारा लॉन्च किया गया, जिसकी लैंडिंग 48 दिनों के बाद 7 सितम्बर, 2019 (चंद्रमा के कक्षा में प्रवेश-20 अगस्त, 2019) को होना था लेकिन चंद्रमा पर पहुँचने से 2.1 किमी. पहले इसरो से संपर्क टूट गया था।
- चंद्रयान-2 के महत्वपूर्ण तीन हिस्से थे - ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर।
- 'लैंडर' को विक्रम तथा 'रोवर' को प्रज्ञान नाम दिया गया था।
- इस मिशन की कुल लागत 978 करोड़ रुपये थी।
- इस मिशन के महिला प्रोजेक्ट डायरेक्टर एम. वनीता एवं रितु करिधल थी।
- चंद्रयान-2 के लॉन्च के समय इसरो (ISRO) के अध्यक्ष के. सिवन थे।
- चंद्रयान मिशन-1 को 22 अक्टूबर, 2008 को जी. माधवन नायर की अध्यक्षता में ISRO द्वारा PSLV-C11 रॉकेट से लॉन्च किया गया था।

भारत सरकार के आगामी लक्ष्य

लक्ष्य	वर्ष
■ किसानों की आय दुगुना करने का लक्ष्य	2022
■ GDP में विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा 17% से 25% करना	2022
■ देश को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने का लक्ष्य	2022
■ सबके लिए आवास मुहैया कराने का लक्ष्य	2022
■ हर परिवार को बिजली और LPG कनेक्शन उपलब्ध कराना	2022
■ सभी गाँवों का ब्रॉडबैंड से जोड़ने का लक्ष्य	2022
■ पेट्रोल में एथेनॉल को 10% मिश्रित करने का लक्ष्य	2022
■ दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे को पूरा करने का लक्ष्य	2023
■ ब्रॉड गेज रूट्स के 100% विद्युतिकरण का लक्ष्य	2023
■ उर्वरक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य	2023
■ हर घर में नल से जल / स्वच्छ जल आपूर्ति का लक्ष्य	2024
■ डिजिटल रेडियो लॉन्च करने का लक्ष्य	2024
■ 100 नए एयरपोर्ट विकसित करने का लक्ष्य	2025
■ विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्धव्यवस्था बनाने का लक्ष्य	2025
■ मवेशियों में फुट और माउथ रोग खत्म करने का लक्ष्य	2025
■ भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्धव्यवस्था बनाने का लक्ष्य	2025
■ भारत को टीबी (TB) मुक्त देश बनाने का लक्ष्य	2025
■ दूध प्रसंस्करण क्षमता को दुगुना (108 मिलियन टन) करना	2025
■ राष्ट्रीय रेल योजना को पूरा करने का लक्ष्य	2030
■ भारत से पूर्ण रूप से मलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य	2030
■ 100% इलेक्ट्रिक वाहन / कार का लक्ष्य	2030
■ HIV एड्स को खत्म करने का लक्ष्य	2023
■ पेट्रोल में एथेनॉल को 2% मिश्रित करने का लक्ष्य	2030
■ कुल वाहन में 30% इलेक्ट्रिक वाहन करने का लक्ष्य	2030
■ 450 गीगावाट अक्षय ऊर्जा प्राप्त करने का लक्ष्य	2030
■ ऊर्जा स्वतंत्र देश बनने का लक्ष्य	2047

भारत का नया संसद भवन : महत्वपूर्ण तथ्य

- नये संसद भवन की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 10 दिसम्बर, 2020 को रखी गई है, जिसका निर्माण सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत 2022 में पूरा होगा।
- नए संसद भवन के निर्माण का ठेका टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड ने 861.90 करोड़ रुपये में लिया है।
- भवन का डिजाइन IICP डिजाइन एंड प्लानिंग कंपनी ने किया है।
- नए संसद भवन का आकार त्रिभुजाकार होगा, जो 4 मंजिला होगा।
- नए संसद भवन के निर्माण में कुल 971 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।
- नए संसद भवन 64,500 वर्ग मी. में फैला होगा।
- नए संसद भवन के संयुक्त सत्र में कुल 1224 लोग बैठ सकेंगे।
- नए संसद भवन के लोकसभा सदन में 888 सदस्यों तथा राज्यसभा सदन में 384 सदस्यों की बैठने की व्यवस्था होगी।

स्टैंच्यू ऑफ यूनिटी

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर, 2018 को गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार वल्लभभाई पटेल (143वीं जयंती पर) की 182 मीटर (597 फीट) ऊँचाई वाली दुनिया की सबसे ऊँची मूर्ति का अनावरण किया।
- स्थान - साधू बेट द्वीप, सरदार सरोवर बाँध के निकट, गरुडेश्वर बाँध, नर्मदा जिला, गुजरात, भारत
- आधार के साथ कुल ऊँचाई - 240 मी. (787.40 फीट)
- शिल्पकार - राम वी. सुतार ■ निर्माण कंपनी - एल एंड टी
- कुल लागत - 2400 करोड़ (अतिरिक्त 650 करोड़ रख-रखाव पर)

भारत में लॉकडाउन

चरण	अवधि	घोषणाकर्ता
■ जनता कर्फ्यू	22 मार्च, 2020	प्रधानमंत्री
■ लॉकडाउन-1	25 मार्च-14 अप्रैल, 2020 (21 दिन)	प्रधानमंत्री
■ लॉकडाउन-2	15 अप्रैल-3 मई, 2020 (19 दिन)	प्रधानमंत्री
■ लॉकडाउन-3	4 मई-17 मई, 2020 (14 दिन)	गृह मंत्रालय
■ लॉकडाउन-4	18 मई-31 जून, 2020 (14 दिन)	गृह मंत्रालय
■ लॉकडाउन-5	1 जून-30 जून, 2020 (30 दिन)	गृह मंत्रालय

भारत की पहली 'किसान रेल'

- शुरुआत - 7 अगस्त, 2020 को रेल मंत्री पीयूष गोयल एवं कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा (महाराष्ट्र के देवताली से बिहार के दानापुर तक)
- उद्देश्य - किसानों के कम समय में खराब होने वाले उत्पादों को जल्द से जल्द बाजार तक पहुँचाने के लिए
- दक्षिण भारत की पहली (देश की दूसरी) किसान रेल की शुरुआत- 9 सितम्बर, 2020 को अनंतपुर (आंध्र प्रदेश) से आदर्श नगर (दिल्ली) तक
- 100वाँ किसान रेल की शुरुआत - 28 दिसम्बर, 2020 को पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा (महाराष्ट्र के संगोला से पश्चिम बंगाल के शालीमार तक)